

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D-5008

PAPER – III

Time : 2½ hours]

INDIAN CULTURE

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
- There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

Test Prime

**ALL EXAMS,
ONE SUBSCRIPTION**



70,000+
Mock Tests



**Personalised
Report Card**



**Unlimited
Re-Attempt**



600+
Exam Covered



**Previous Year
Papers**



**500%
Refund**



ATTEMPT FREE MOCK NOW

INDIAN CULTURE**भारतीय संस्कृति****PAPER – III****प्रश्न-पत्र – III**

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The idea of “righteous conquest” or “conquest according to the the Sacred Law” may have developed among the Āryans soon after their occupation of North India, as an expression of their solidarity against the dark-skinned natives. It is evident, though not explicitly stated, in later Vedic literature. The kings of Magadha, from Bimbisāra onwards, ignored it, and annexed territory without compunction ; but the doctrine that war should be waged for glory and homage rather than sordid aims such as wealth and power grew in importance with the fall of the Mauryas, and was accepted by the medieval quasi-feudal order. “Demonic conquest” still took place from time to time, notably under the Guptas, but “righteous conquest” was the ideal which Hindu kings were expected to follow, and it is evident that they usually did. War became the sport of kings---a sport which was often very profitable and always very serious, in which the shame of defeat might well only be expunged by suicide, but a sport nevertheless. The Peninsula, inheriting a fierce Dravidian tradition never completely submerged by Āryan influence, had a more realistic approach; here conquest with annexation was more common, as well as ruthlessness towards captives and non-combatants, but even the South was not unaffected by the ideal of the “righteous conquest”.

“धर्म विजय” या “धार्मिक विधान के अनुसार विजय” का विचार आर्यों के उत्तर भारत अधिकृत कर लेने के तुरन्त बाद कृष्ण वर्ण मूल निवासियों के विरुद्ध अपनी एक जुटता की अभिव्यक्ति के रूप में विकसित हुआ होगा। उत्तर वैदिक साहित्य में यह प्रकट है, यद्यपि स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख नहीं है। बिम्बिसार से आगे मगध के राजाओं ने इसकी उपेक्षा कर दी, बिना किसी खेद के क्षेत्रों को अपने राज्य में मिलाया। किन्तु मौर्यों के पतन के पश्चात इस सिद्धांत का विकास हुआ कि युद्ध धन एवं शक्ति की अपेक्षा यश और सम्मान के लिए ही करणीय है, और मध्यकालीन अर्ध सामन्ती व्यवस्था ने इसे स्वीकार कर लिया। समय समय पर, विशेष कर गुप्तों के अन्तर्गत, “आसुर विजय” भी की गई। किन्तु “धर्म विजय” एक आदर्श था जिसका अनुसरण करने की हिन्दू राजाओं से अपेक्षा की जाती थी। उन्होंने ऐसा किया भी, यह प्रकट है। युद्ध राजाओं के लिए एक खेल हो गया, ऐसा खेल जो प्रायः लाभकारी था

और सर्वदा बड़ा गंभीर था, तो भी एक खेल। आर्य प्रभाव से पूर्णतः कभी आप्लावित न होने वाली उग्र द्रविड परम्परा की विरासत लिए हुए प्रायद्वीप ने अधिक यथार्थवादी रास्ता अपनाया। यहाँ अधिक सामान्य बात थी अधिग्रहण के साथ विजय, साथ ही कैदियों और अकैदियों के साथ क्रूरता। किन्तु दक्षिण भी “धर्म विजय” के आदर्श से अप्रभावित नहीं था।

1. According to the author which idea of conquest is evident from the later Vedic literature ?
लेखक के अनुसार उत्तर वैदिक ग्रंथों से विजय की क्या धारणा प्रकट होती है?

2. Which doctrine of war grew in importance after the fall of the mauryas ?
मौर्यों के पतन के बाद युद्ध के किस सिद्धान्त का महत्व बढ़ गया?

3. What is the difference between the notions of "*Demonic conquest*" and "*righteous conquest*" ?

“धर्म विजय” एवं “आसुर विजय” की अवधारणाओं में क्या अन्तर है?

4. Why war was often profitable and always why serious ?

युद्ध क्यों लाभकारी एवं बड़ा गम्भीर था ?

5. What was the idea of conquest in the south and how was it different from the Aryan tradition ?

दक्षिण में विजय की धारणा क्या थी और यह आर्य परम्परा से किस तरह भिन्न थी ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. (5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। (5x15=75 अंक)

6. What progress did prehistoric people make in agriculture ?

प्रागैतिहासिक लोगों ने कृषि में क्या विकास किया ?

7. Comment on the Dancing Girl figure of Indus civilization.

सेन्धव सभ्यता की नर्तकी मूर्ति पर टिप्पणी कीजिए ?

8. Discuss the nature of the Vedic God varuna.

वैदिक देव वरुण के स्वरूप का विवेचन की जिए।

9. What do you know of the Ajivakas ?

आजीवकों के बारे में आप क्या जानते हैं?

10. What is the significance of Uposatha in Buddhism ?

बौद्ध धर्म में उपोसथ का क्या महत्व है?

11. Briefly describe the main features of early Yaksha images :

प्रारम्भिक यक्ष मूर्तियों के प्रमुख लक्षणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

12. What was the role of the Dharma-mahamatras in the Mauryan administration ?

मौर्य प्रशासन में धर्म महामात्रों की क्या भूमिका थी ?

13. Comment on the 'Chandragupta - Kumaradevi' type of Gupta coins.

गुप्त सिक्कों के 'चन्द्रगुप्त कुमारदेवी' प्रकार पर टिप्पणी कीजिए।

14. Describe the architectural features of the Draupadi Ratha.
द्रौपदी रथ के वास्तु शास्त्रीय लक्षणों का वर्णन कीजिए।

15. Explain the philosophy of Pushti Marga.
पुष्टि मार्ग के दर्शन की व्याख्या कीजिये।

16. What was the importance of Khanqah ?

खानकाह का क्या महत्व था ?

17. Explain the siyah-qalam technique used in the mughal painting :

मुगल चित्रकला में प्रयुक्त स्याहकलम तकनीक की व्याख्या कीजिये।

18. Explain the salient features of 'Prarthana Samaj' :

‘प्रार्थना समाज’ की मुख्य विशिष्टताएँ लिखिए।

19. What is "Young Bengal" Movement :

‘यंग बैंगाल आन्दोलन’ क्या है?

20. Describe the “Self Respect Movement” of the Dravida Kazhagam.

द्राविड़ कज्जम के ‘स्वाभिमान आन्दोलन’ का वर्णन कीजिए।

SECTION - III खण्ड – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries **twelve (12)** marks and is to be answered in about **two hundred (200)** words.
(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।
(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I

21. Describe the main types of yajna and their significance in the life of the Vedic people.
यज्ञ के प्रमुख प्रकारों तथा वैदिक लोगों के जीवन में उनके महत्व का वर्णन कीजिए।
22. Write a note on Panchopasana.
पंचोपासना पर एक टिप्पणी लिखिए।
23. Examine the archaeological evidence for the early history of Vaishnavism.
वैष्णव धर्म के प्रारम्भिक इतिहास के लिए पुरातात्विक साक्ष्य का परीक्षण कीजिए।

24. Evaluate the role of councils in the history of Buddhism.

बौद्ध धर्म के इतिहास में संगीतियों के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

25. Discuss the Vedic roots of Arya Samaj.

आर्य समाज के वैदिक मूल का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II

21. Throw light on the Indus valley sculptural art.

सैन्धव घाटी की मूर्तिकला पर प्रकाश डालिए।

22. Trace the main phases of the evolution of stupa architecture.

स्तूप स्थापत्य के विकास की प्रमुख अवस्थाओं का निरूपण कीजिए।

23. Give an account of the temple architecture of the Gupta age.

गुप्त युग के मन्दिर स्थापत्य का विवरण दीजिए।

24. Describe the main characteristics of the Gandhar school of art.

गंधार कला शैली के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए।

25. Write a note on the iconography of Surya.

सूर्य के प्रतिमा लक्षणों पर टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Elective - III / विकल्प – III

21. Give an account of the social stratification during the early Vedic period.

पूर्व वैदिक काल में सामाजिक स्तरीकरण का विवरण दीजिए।

22. Discuss the concept of 'Purushartha' and its significance in Indian life.

'पुरुषार्थ' की अवधारणा एवं भारतीय जीवन में उसके महत्व का विवेचन कीजिए।

23. Evaluate the role of temples as centres of education in ancient India.

प्राचीन भारत में शिक्षा के केन्द्र के रूप में मन्दिरों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

24. Discuss the origin of state as envisaged by ancient Indian thinkers.

प्राचीन भारतीय विचारकों द्वारा परिकल्पित राज्य की उत्पत्ति का विवेचन कीजिए।

25. Examine the evidence for the second Urbanization in India.

भारत में द्वितीय नगरीकरण के विषय में उपलब्ध साक्ष्य का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV / विकल्प – IV

21. Was the Nirguna Bhakti ideology a form of protest ?

क्या निर्गुण भक्ति विचारधारा विरोध का एक रूप थी ?

22. What were the major features of Indo-Islamic architecture ?

इन्डो इस्लामिक स्थापत्यकला की क्या मुख्य विशेषताएँ थी ?

23. What accounts for the Phenomenal growth of varieties of music in the medieval period ?

मध्यकाल में विविध संगीत के अभूतपूर्व विकास के क्या कारण थे ?

24. Discuss the main characteristics of the Rajput miniature paintings.

राजपूत लघु चित्रकला की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये ?

25. Analyse the contribution of the Vijayanagara empire in the field of architecture.

स्थापत्यकला के क्षेत्र में विजयनगर साम्राज्य के योगदान की विवेचना कीजिये ?

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प – V

21. To what extent the administration of India under the crown was but a continuation of the policies of the company administration :

ब्रिटिश राज्य के अधीन भारत का शासन किस हद तक कम्पनी की नतियों का विस्तार मात्र था ?

22. What was the nature of Foreign trade under the British role in India :

भारत में ब्रिटिश राज्य के अन्तर्गत विदेशी व्यापार की प्रकृति क्या थी ?

23. What is "de-industrialisation" ?

अ-औद्योगिकरण (डी-इण्डस्ट्रियलाइजेशन) क्या है ?

24. How were the Social Reform movements accelerated the growth of national movement.

सामाजिक सुधार आन्दोलनों ने राष्ट्रीय आन्दोलन को कैसे तीव्रता प्रदान की ?

25. What is the significance of Lahore Session (1929) of Indian National Congress ?

अखिल भारतीय कांग्रेस के लाहोर अधिवेशन (1929) का क्या महत्व है ?

















SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Discuss the foundational teachings of the Bhagavadgita. How this text has been variously interpreted ?

भगवद्गीता की मूल शिक्षाओंका विवेचन कीजिए। इस ग्रंथ की किस तरह भिन्न व्याख्याएँ की गई हैं?

OR / अथवा

Give an account of the main styles of temple architecture. In what respects the temples of Khajuraho differ from those of Bhubaneswar ?

मन्दिर स्थापत्य की प्रमुख शैलियों का विवरण दीजिए। खजुराहो के मन्दिर किन बातों में भुवनेश्वर के मन्दिरों से भिन्न हैं?

OR / अथवा

Discuss the position of women in ancient India. Also comment on their property rights. प्राचीन भारत में स्त्रियों की स्थिति का विवेचन कीजिए। उनके साम्पत्तिक अधिकारों पर भी टिप्पणी कीजिए?

OR / अथवा

Give an account of the development in the field of Persian and Hindi literature during the mughal period.

मुगल काल में फारसी एवं हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में होने वाले विकास का वर्णन कीजिये।

OR / अथवा

Do you agree that the freedom struggle in India was absolutely devoid of violence. Give your arguments.

क्या आप सहमत हैं कि भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन हिंसा से पूर्णतया मुक्त था। अपने तर्क दीजिए।













FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date